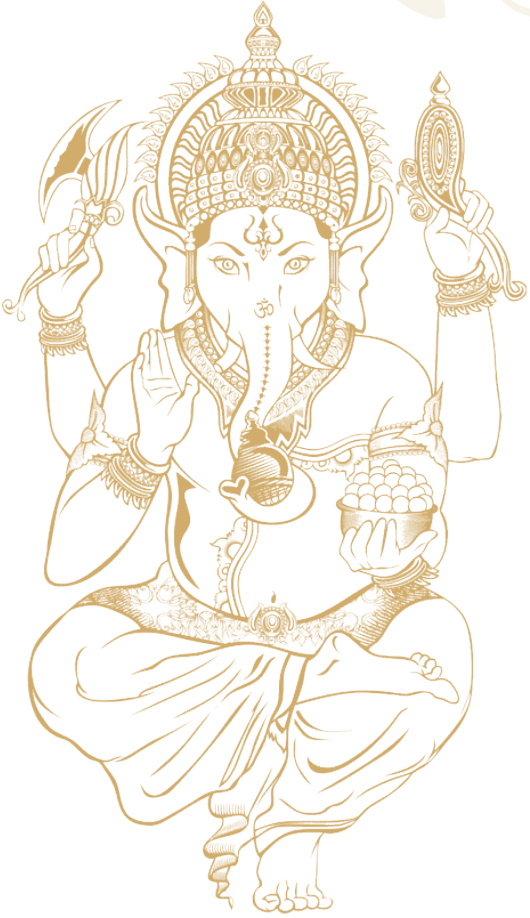

Risab

15 Jan 2008

01:30 AM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121889806

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/01/2008**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:30:00 घंटे**
इष्ट	46:22:19 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:23:36 घंटे
वेलान्तर	-00:08:47 घंटे
साम्पातिक काल	08:58:15 घंटे
सूर्योदय	06:57:04 घंटे
सूर्यास्त	17:33:36 घंटे
दिनमान	10:36:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:03:28 मकर
लग्न के अंश	15:24:34 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शिव
करण	गर
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:24:34	313:00:35	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मक	00:03:28	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	17:15:39	13:50:06	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल	व		मिथु	01:48:57	00:12:52	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			मक	16:31:20	01:30:40	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु			धनु	12:10:59	00:13:27	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	24:22:55	01:13:21	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
शनि	व		सिंह	13:58:28	00:02:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	04:11:39	00:01:15	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	04:11:39	00:01:15	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	21:53:17	00:02:25	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	26:44:18	00:02:05	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	05:39:24	00:02:03	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	18:07:56	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:19

लग्न-चलित

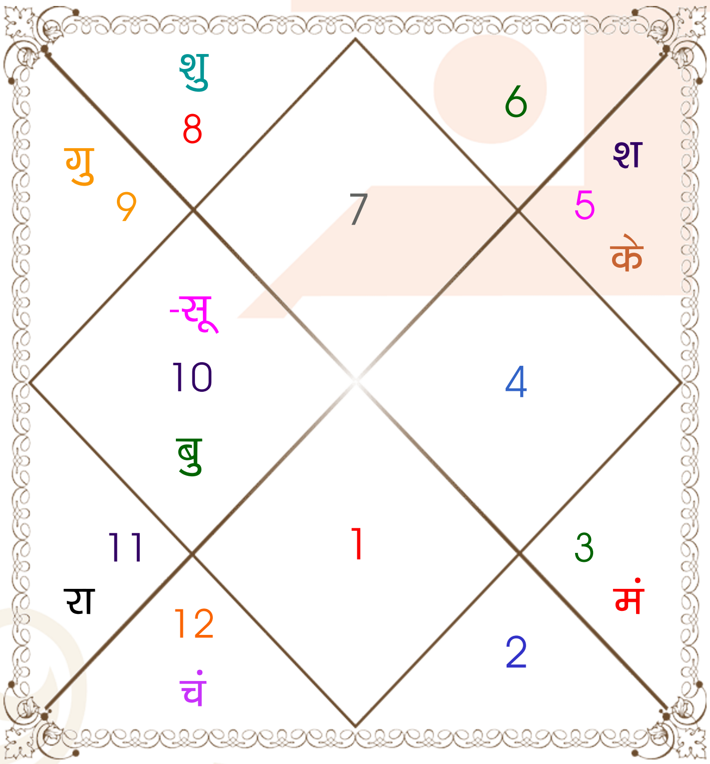

चन्द्र कुंडली

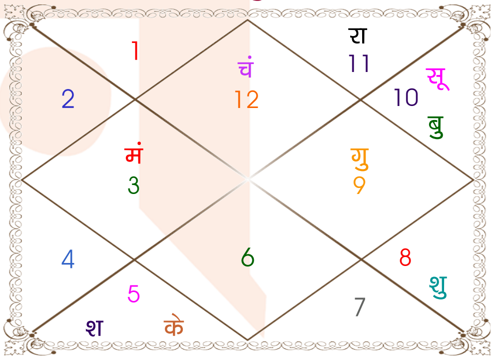

नवमांश कुंडली

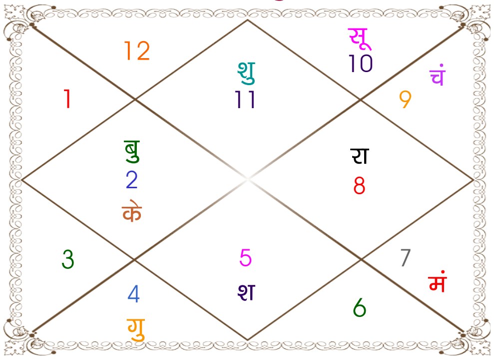

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 2 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/01/2008		12/04/2024		13/04/2031		13/04/2051		12/04/2057	
12/04/2024		13/04/2031		13/04/2051		12/04/2057		13/04/2067	
बुध	09/09/2009	केतु	08/09/2024	शुक्र	12/08/2034	सूर्य	31/07/2051	चंद्र	11/02/2058
केतु	06/09/2010	शुक्र	08/11/2025	सूर्य	13/08/2035	चंद्र	30/01/2052	मंगल	12/09/2058
शुक्र	07/07/2013	सूर्य	16/03/2026	चंद्र	12/04/2037	मंगल	06/06/2052	राहु	13/03/2060
सूर्य	13/05/2014	चंद्र	15/10/2026	मंगल	13/06/2038	राहु	01/05/2053	गुरु	13/07/2061
चंद्र	13/10/2015	मंगल	13/03/2027	राहु	12/06/2041	गुरु	17/02/2054	शनि	11/02/2063
मंगल	09/10/2016	राहु	31/03/2028	गुरु	11/02/2044	शनि	30/01/2055	बुध	12/07/2064
राहु	28/04/2019	गुरु	07/03/2029	शनि	13/04/2047	बुध	06/12/2055	केतु	11/02/2065
गुरु	03/08/2021	शनि	16/04/2030	बुध	11/02/2050	केतु	12/04/2056	शुक्र	12/10/2066
शनि	12/04/2024	बुध	13/04/2031	केतु	13/04/2051	शुक्र	12/04/2057	सूर्य	13/04/2067

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/04/2067		13/04/2074		12/04/2092		13/04/2108		14/04/2127	
13/04/2074		12/04/2092		13/04/2108		14/04/2127		00/00/0000	
मंगल	09/09/2067	राहु	24/12/2076	गुरु	31/05/2094	शनि	17/04/2111	बुध	16/01/2128
राहु	27/09/2068	गुरु	19/05/2079	शनि	12/12/2096	बुध	25/12/2113		00/00/0000
गुरु	02/09/2069	शनि	25/03/2082	बुध	20/03/2099	केतु	03/02/2115		00/00/0000
शनि	12/10/2070	बुध	12/10/2084	केतु	23/02/2100	शुक्र	04/04/2118		00/00/0000
बुध	09/10/2071	केतु	30/10/2085	शुक्र	25/10/2102	सूर्य	17/03/2119		00/00/0000
केतु	07/03/2072	शुक्र	30/10/2088	सूर्य	14/08/2103	चंद्र	16/10/2120		00/00/0000
शुक्र	07/05/2073	सूर्य	24/09/2089	चंद्र	13/12/2104	मंगल	25/11/2121		00/00/0000
सूर्य	12/09/2073	चंद्र	26/03/2091	मंगल	19/11/2105	राहु	01/10/2124		00/00/0000
चंद्र	13/04/2074	मंगल	12/04/2092	राहु	13/04/2108	गुरु	14/04/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 2 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।